Chapter III

इटली का एकीकरण

UNIFICATION OF ITALY

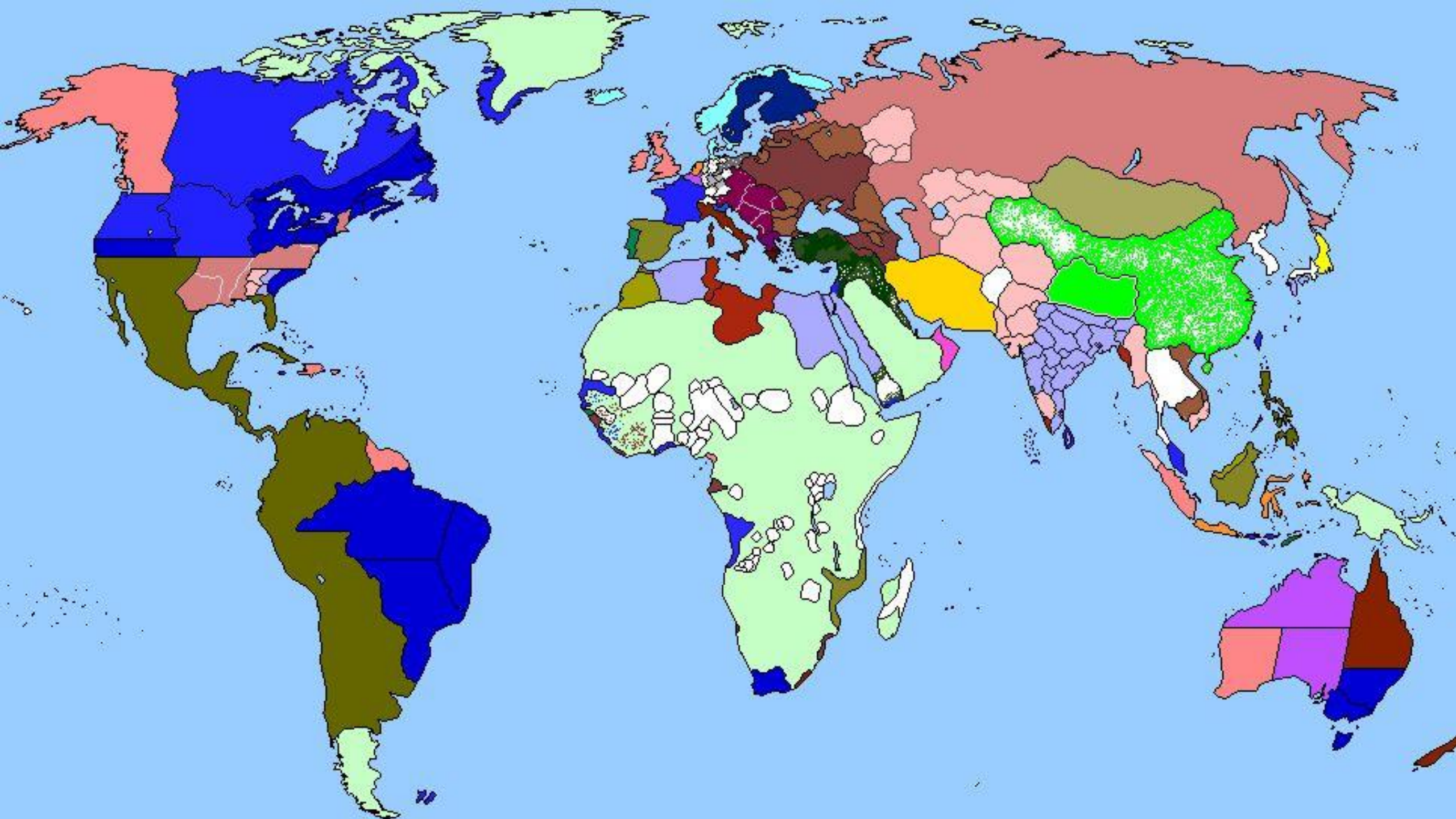

BEL.
GERMAN CONF.
BAV.
W
FRENCH EMPIRE
SWITZ.
AUSTRIAN EMPIRE
MOLDAVIA & WALLACHIA
Serbia
ITALY
PAPAL STATES
(Fr. pres.)
ORTUGAL
SPAIN
GREECE
Ionian Is.
(Br. prot.)
Gibraltar
(Br.)
Algeria
(Fr.)
TUNIS
(Ott. vas.)
Malta
(Br.)

HOLY
ROMAN
EMPIRE
<<FRANCE
Milan
KINGDOM OF ITALY
Verona
Venice
HUNGARY
Genoa
Bologna
BALKANS
Pisa
Florence
PAPAL
STATES
Perugia
BULGARIA
CORSICA
Rome
(to Pisa)
Bari
Naples
Tarento
SARDINIA
KINGDOM
OF
SICILY
Cagliari
Palermo
Messana
SICILY
Catania
NORTH AFRICA
GREECE >>
TimeMaps

पीडमान्ट

Italy
Vatican City
Rome

सिसली
Trentino-Alto Adige
Aosta Valley
Lombardy
Veneto
Friuli-Venezia Giulia
Piedmont
Emilia-Romagna
Liguria
Tuscany
Marche
Umbria
Abruzzo
Molise
Lazio
Campania
Apulia
Basilicata
Calabria
Sicily

सारडेनिया

नीस, मिलान, नेपलज,
टसकनी, सेवाये, वेनिस
अन्य प्रमुख नगर

इटली पर ऑस्ट्रीया का शासन

सम्पूर्ण इटली छोटे छोटे राज्यों में विभक्त

इटली के प्रमुख नेता

Italy's Main Leaders

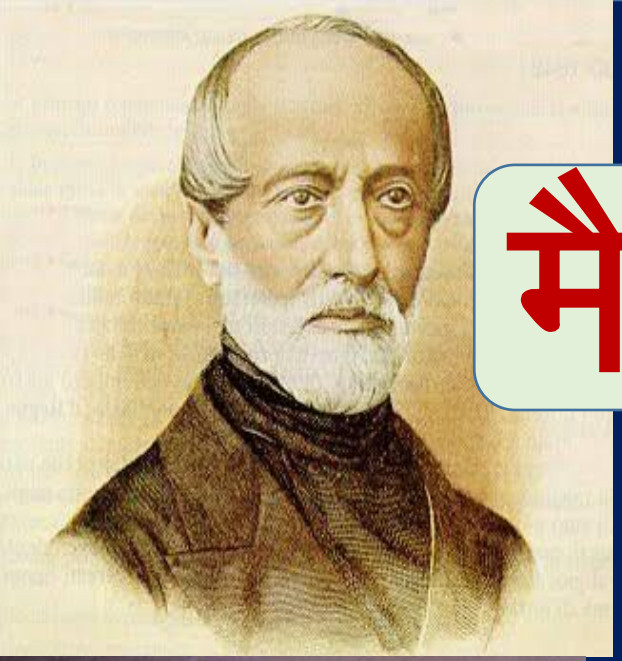

मैज़िनी

कावूर

गैरिबाल्डी

विक्टर इमानुएल

मैज़िनी

1805–1872

ज्युसेप मैज़ीनी

22 जून,1805 इटली

के जेनोओ में जन्म

पिता डॉक्टर

मैज़ीनी *1789 की फ्रांस*

की क्रांति से प्रभावित

1826 वकालत पूरी की

1827 *"दांते का देश प्रेम"* लेख

विचार

पूंजीवाद व साम्यवाद का विरोधी

कार्ल मार्क्स के वर्ग संर्घष के सिद्धांत का विरोध

मार्क्स के भौतिकवाद के सिद्धांत की आलोचना

वर्ग समन्वय का समर्थन

व्यक्तिवाद के सिद्धांत

को भी नकारा

धर्म व आध्यात्म में

विश्वास

स्वयं को ईसाई घोषित किया

ईश्वर की शक्ति में विश्वास

नास्तिकता के सिद्धांत की

आलोचना

<u>God and People</u> में अपने विचारों को लिखा <u>देश प्रेम</u> को <u>*ईश्वरीय प्रेम*</u> माना

महिला अधिकारों का समर्थन

इटली की संसद में महिला सुधारें की मांग

क्रांतिकारी जीवन का आरंभ

1827, टस्कनी की यात्रा व कार्बोनेरी संस्था का सदस्य

1830 में गिरफ़्तार

6 महीने बाद फ्रांस

से निष्कासित

1831 मर्सैलस: ''यंग इटली'' की स्थापना

गणतन्त्र की स्थापना करना प्रमुख उद्देश्य

40 वर्ष से कम
युवकों को ही जगह
आरंभ में 50 सदस्य

"इटली, इटलीवासियों के लिए" नारा दिया

मैज़ीनी को टस्कनी, पिडमाण्ट, सिसली, अब्रूज़ी में सफलता

1833 यंग इटली के सदस्यों की संख्या 60,000 तक पहुंची

1833 पहला स्वतंत्रता का प्रयास

चैम्बेरी, सार्डीनिया, अलेसेंन्दरिया, तुरिन, जेनोआ में विद्रोह

सरकार द्वारा दमन

12 क्रांतिकारियों को मृत्युदण्ड

मैजीनी के सबसे अच्छे मित्र

जैकोपो रुफिन द्वारा

आत्महत्या

मैजीनी को फांसी की सजा

1834 एक और विद्रोह शुरू किया

पीडमाण्ट पर हमला

28 मई,1834 मैजीनी

गिरफ़्तार

देश निकाला दिया गया

5 जुलाई: पेरिस से गिरफ़्तार

1837: इंग्लैण्ड भेजा गया

30 अप्रैल 1840

जियोवाइन इटालिया

समाचार पत्र शुरू

8 मार्च,1848 नई राजनितिक संस्था

“ऐसोसिएशन ऑफ नेशनल इटली’

1848–49 का विद्रोह

7 अप्रैल, 1848 मिलान के लोगों द्वारा ऑस्ट्रीया के विरुद्ध

पिडमाण्ट के राजा

चार्ल्स एबर्ट द्वारा

मदद मगर असफल

9 फरवरी, 1849

क्रांतिकारियों का रोम पर हमला व अस्थाई सरकार की स्थापना

गणतंत्र घोषित

मैजीनी को सर्वोच्च

नेता बनाया गया

पोप द्वारा फ्रांस से मदद

मैजीनी को पुनः रोम से भागना पड़ा

1858 लंदन समाचार पत्र "Thought and Action" शुरू

1859 इटली का

दूसरा स्वतंत्रता संग्राम आरंभ

मैजीनी का गैरिबाल्डी की सेना को मदद

1861 रोम पर पोप के शासन को चुनौती

1861 उत्तरी इटली के

एकीकरण की घोषणा

द. इटली के एकीकरण

की कोशिश आंरभ

1870 सिसली में विद्रोह

आरंभ किन्तु गिरफ़्तार

1872 पीसा :66 वर्ष

की आयु में मृत्यु

लाला लाजपतराय व

वीर सावरकर अपना

गुरू मानते थे

The Duty of Man किताब की रचना

कावूर

1810–1862

जन्म– पीडमाण्ट के सेवाय में त्युंरा जगह पर सामंत घराने में जन्म

पीडमाण्ट सेना में सैनिक इंजीनियर के रूप में कार्य

1831 राजनीति में शामिल

इटली की लिबरल पार्टी की स्थापना

1852–1861 सार्डीनिया व पीडमाण्ड का प्रधानमन्त्री

कावूर की

गृह नीति

कृषि का आधुनिकीकरण

कृषक ऋणों की शुरूआत

मुक्त व्यापार की नीति

भूमि विभाजन

उपजाऊ, बंजर

जंगली,

पड़ोसी देशों से

व्यापारिक सम्बन्ध

यातायात व तकनीकी

शिक्षा पर बल

बैंकिंग व्यवस्था की स्थापना

चर्च के विशेषाधिकारों की समाप्ती

आधुनिक उद्योगों की स्थापना

रेलवे, राजमार्ग, नहरों का निर्माण

सेना को शक्तिशाली बनाना

जनरल ला मारमोरा को सेना

का सेनापति

90,000 किलों का

निर्माण

जल सेना का विकास

कावूर की विदेश नीति

क्रीमीया युद्ध में भूमिका

1854–56 तक

फ्रांस, इंग्लैण्ड, तुर्की, इटली

द्वारा रूस के विरुद्ध युद्ध

इटली द्वारा 17,000 सेना सहायता दी

1856 चेरनिया के युद्ध में रूस को पराजित किया

पैरिस सम्मेलन

क्रीमीया युद्ध के बाद सन्धि की शर्तो को पूरा करने के लिए सम्मेलन

25 फरवरी–30मार्च 1856

दूसरे बड़े राजतंत्रों के समक्ष दर्जा प्राप्त

ऑस्ट्रिया के विरुद्ध अन्य देशों की सहानुभूति प्राप्त की

फ्रांस व इंग्लैण्ड से सैनिक संधि करने में सफल

प्लेम्बियर्स समझौते में कावूर की भूमिका

22 जुलाई, 1858

फ्रांस व इटली

शर्तें

1. ऑस्ट्रिया के विरुद्ध सैनिक

मदद

2 लाख सैनिक

2. सेवाय व नीस फ्रांस को देना

स्वीकार

3.परमा,मोडेना,लम्बार्डी,वेनशिया

पीडमाण्ट को मिलेंगे

विक्टर एमानुएल की बेटी क्लोथिल्ड का विवाह नेपोलियन तृतीय के भतीजे जेरोम नेपोलियन से होना तय

18 अप्रैल, 1859 ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की शुरुआत

कावूर द्वारा फ्रांस से सहायता

व विजय

ज्यूरिख की संधि

उत्तरी व मध्य इटली का एकीकरण

1860 पुनः प्रधानमंत्री बना

1862 इटली महासभा का अधिवेशन

1862 में ही मृत्यु

गैरिबाल्डी

जोसेफ गैरिबाल्डी

4 जुलाई 1807 नीस

में जन्म

परिवार का समुद्री

व्यापार का काम

1832 कैप्टन बना

अप्रैल,1833 टंगारो,रूस, की यात्रा

मैजीनी से मुलाकात व प्रभावित

राजनेता व सैनिक

"कार्बोनेरी" का

सदस्य

गैरिबाल्डी के द. अमेरिका में कार्य

द. अमरिकी विद्रोह व स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बने

1835 द.ब्राजील में

रेज़मफिन्स विद्रोह में

हिस्सा– असफल

1841 अना मारिया या अनिता

से विवाह

मोंटेविडो, उरुग्वे में स्कूल

टीचर का कार्य

1842 उरुग्वे गृह युद्ध

लाल कुर्ता सेना का

गठन

1842–48 गुरिल्ला युद्धों

द्वारा सेक्रेमेंटो, मार्टीन

गार्शिया द्वीप की विजय

1846 कैरो व सेन

एंटोनियो की

लड़ाईयों में विजय

इटली में वापसी

1848

सार्डीनिया के चार्ल्स

एल्बर्ट की सेवा में

बाद में पीडमाण्ड में शामिल मिलान राज्य की सेना का सेनापति बना

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में भाग लुईनों व मोराजोन की विजय हासिल की

23 मार्च,1849 रोम में प्रवेश

मैजीनी द्वारा रोमन गणतंत्र

का सेनापति बनाया गया

फ्रांस से युद्ध: रोम से प्रस्थान

रोम पर पुनःआक्रमण

1–2 जुलाई, 1849

4000 सेना के साथ

फ्रांस,आस्ट्रिया,स्पेन की सेनाओं द्वारा पराजित सेन मरिनों भागना पड़ा

उत्तरी अमेरिका की यात्रा

टैंजियर में अमीर इटली वासी फ्रांसिस्को कार्पेटों से मुलाकात

‘व्यापार द्वारा पैसा कमाना व विद्रोहों में मदद करने की सलाह’

1851

मध्य अमेरिका में व्यापार आरंभ

निकारागुआ में औद्योगिक फैक्टरी की स्थापना

पेरू,आस्ट्रिया, चीन,

हम्मोक

द्वीप,बाल्टीमोर,लंदन की

यात्रा

इटली के दूसरे स्वतंत्रता संग्राम में भाग

गैरिबाल्डी सेना प्रमुख

Hunters of the Alps

वर्साय,कोमो की विजय

फ्रांस का आक्रमण व

गैरिबाल्डी की हार

1860 में नीस पर हमला असफल

सिसली पर कब्जा

15 मई,1860

27 मई फ्रांस द्वारा पराजित

1861 अमेरिकी गृहयुद्ध में हिस्सा

अब्राहम लिंकन की ओर से

दास प्रथा को समाप्त करने

के लिए लड़ा

रोम पर हमला

"Rome or Death"

इटली का राजा व सरकार रोम

पर आक्रमण के पक्ष में नहीं

गैरिबाल्डी को रोकने के प्रयास

एस्प्रोमोंटे का युद्ध

ला-स्पेजिया की जेल में कैद

विक्टर एमानुएल द्वारा क्षमा

दी गई

1866 आस्ट्रिया के विरुद्ध

युद्ध आरंभ

इटली का प्रशा से मदद

लेना

गैरिबाल्डी सेनापति

बना

40,000 सेना

ट्रंटिनो, बैजेक्का

के युद्धों में विजय

1867 रोम पर पुनः आक्रमण

असफल व कैद

1871 इटली का

एकीकरण पूरा

रोम राजधानी

विक्टर एमानुएल

द्वारा गैरिबाल्डी को

सेना की कमान

गैरिबाल्डी का कैपेरा द्वीप जाना

2 जून,1882 मृत्यु

एकीकरण में बाधाएं

विदेशी

शासन

ऑस्ट्रिया व फ्रांस

का राज्य

पोप का

राज्य

रोम तथा

वेटिकन सिटी से

शासन

आर्थिक पिछड़ापन

एक समान आर्थिक प्रणाली की कमी

अल्प बैंकिंग व्यवस्था

उद्योगों का कम विकास

व्यापारिक सुविधाएं नहीं के बराबर

राज्यों में एकता का अभाव

इटली के एकीकरण में अरुचि सामन्ती शासन

प्रथम चरण

1815–59 ई.

इटली का विभाजन

वियना कांग्रेस–1815

आस्ट्रिया, प्रशा, फ्रांस

लम्बार्डी, वेनेशिया,

मोडेना राज्य

ऑस्ट्रिया को प्राप्त

नेपल्स, सिसली,

फ्रांस को दिए

पामेरैनिया क्षेत्र

नेपोलियन की पत्नी लुईस को मिला

रेम व वेटिकन सिटी पोप को मिला

पीडमाण्ट इटली के

राजा विक्टर

इमानुएल को मिला

कार्बनेरी सोसायटी

इटली की गुप्त क्रांतिकारी संस्था

1820 नेपल्स में स्थापना

इटली के राज्यों में विद्रोहों का आरंभ

1820–21

प्लोम्बियर्स

समझौता

22 जुलाई, 1858

इटली व फ्रांस के राजा नेपोलिय तृतीय के बीच

फ्रांस द्वारा सैनिक सहायता का वचन

सेवाए, नीस फ्रांस को देना स्वीकार

परमा, मौडेना,
लम्बार्डी, वेनेशिया
इटली को मिलेंगे

ऑस्ट्रिया

पीडमाण्ट युद्ध

11 जुलाई, 1859

लेम्बार्डी इटली को

प्राप्त हुआ

द्वितीय चरण

1859–60

मध्य इटली के राज्यों पर अधिकार

टसकनी, परमा,
डच्ची, रेम्मेग्रा,
मौडेना

अंतिम चरण

1860—1871

दक्षिणी राज्यों का विलय

नेपल्स, सिसली,

वेनीशिया, रोम

गैरीबाल्डी ने

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

सिसली व नेपल्स में विद्रोह आरंभ–

1860

The Thousands Red Shirts

गैरिबाल्डी की सेना

का नाम

1,000 सिपाही

पोप पर आक्रमण

1861 ई.

कावूर व गैरिबाल्डी में मतभेद

गैरिबाल्डी आक्रमण द्वारा रोम विजय के पक्ष में

नैपोलियन तृतीय द्वारा रोम की विजय—1861

गैरीबाल्डी द्वारा विजित क्षेत्र सम्राट को देना

पलरेमो, मिलाजो,
नेपल्स विक्टर
इमानुएल को सौंपे

सार्डीनिया इटली में शामिल

इटली का एकीकरण

विक्टर इमानुएल को पूरे इटली का सम्राट घोषित

18 फरवरी 1861 ई.

रोम की विजय

20 सितम्बर,1870

1871 तक सम्पूर्ण इटली का एकीकरण पूरा हुआ